19-5-22 आज यह पेश हुई। वादी व वादी के वकील अनुपस्थित। पत्रावली में बार-2 आवाज दिलवाई गई। लेकिन कोई भी उप० नहीं आये। न ही कोई सूचना ही प्राप्त हुई। इससे से प्रतीत होता है कि वादी वाद चलाना ही नहीं चाहते है। अतः वादी का वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रा० फैसल शुमार होकर नम्बर सेकम हो। बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Mukut Singh
Date: 2023.02.16 12:20:57 IST
Reason: SelfAttested

खण्ड अधिकारी